

A-0970

Total Pages : 5

Roll No.

BAPS(N)-221

लोक नीति की अवधारणा : भारत के विशेष सन्दर्भ में

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs.

Max. Marks : 70

Note :- This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. *Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.*

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

Section-A

(खण्ड-क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×19=38

Note :- Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define public policy and describe its main features.
लोक नीति को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।
2. Elaborate on the role of major agencies in the policy making process in India.
भारत में नीति निर्धारण की प्रक्रिया में प्रमुख अभिकरणों की भूमिका पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालें।
3. What is the role of political parties in policy making?
Explain with examples in the context of India.
नीति निर्धारण में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है? भारत के संदर्भ में उदाहरणों के माध्यम से समझाएं।

4. Explain in detail the importance of public policy in the context of the global scenario.

लोक नीति के महत्व का वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. Describe in detail the role of the Cabinet Secretariat and the Prime Minister's Office in the context of policy making in India.

भारत में नीति निर्माण के संदर्भ में मंत्रिमंडलीय सचिवालय एवं प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

Section-B

(खण्ड-ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×8=32

Note :- Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Who is the ex-officio chairman of the Civil Services Board and the Cabinet Secretariat? Briefly discuss their role.

सिविल सेवा बोर्ड एवं कैबिनेट सचिवालय का पदेन अध्यक्ष कौन होता है? उसकी भूमिका की संक्षिप्त चर्चा करें।

2. Describe the techniques of identifying policy proposals.

नीतिगत प्रस्तावों की पहचान की तकनीकों का वर्णन करें।

3. Critically evaluate the role of bureaucracy in policy making.

नीति निर्माण में अधिकारी तंत्र की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

4. High light the increasing utility of bureaucracy in present times.

वर्तमान में नौकरशाही की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

5. Shed light on the role of parliamentary committees in policy making.

नीति निर्माण में संसदीय समितियों की भूमिका पर प्रकाश डालें।

6. Shed light on the ever-changing role of the legislature in policy making.

नीति निर्माण में विधायिका की निरंतर बदलती भूमिका पर प्रकाश डालें।

7. How is the role of the judiciary important in the process of policy making? Discuss.

न्यायपालिका की भूमिका नीति निर्माण की प्रक्रिया किस प्रकार महत्वपूर्ण होती है? चर्चा करें।

8. What is the influence of interest groups and pressure groups in policy making? Explain with examples.

हलत समूह और दबाव समूहों का नीति निर्माण में क्या प्रभाव होता है? उदाहरण सहित समझाएं।
